डिफेंस कॉरिडोर में कानपुर-झांसी ने मारी बाजी

तीसरे नंबर पर अलीगढ़, चौथे पर लखनऊ, पांचवें पर आगरा, अभी चित्रकूट का नहीं खुला खाता

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। यूपी के छह नोड में विकसित हो रहे डिफेंस कॉरिडोर में निवेशकों को कानपुर और झांसी सबसे अधिक पसंद आया है। अभी तक आए 25 हजार करोड़ के निवेश में अकेले कानपुर में 10 हजार करोड़ और झांसी में 7800 करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए हैं, जो कुल निवेश का तीन चौथाई है। तीसरे नंबर पर अलीगढ़, चौथे पर लखनऊ, पांचवें पर आगरा है। चित्रकूट का खाता अभी तक नहीं खुला है। इन सभी नोड में अभी तक 48 इकाइयों के प्रस्ताव आ चुके हैं।

उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर अलीगढ़, आगरा, झांसी, चित्रकूट, लखनऊ, और कानपुर विकसित किया गया है। इस कॉरीडोर में रक्षा उत्पादन और अनुसंधान से जुड़ी इकाइयां और प्रयोगशालाएं स्थापित की जा रही हैं। निवेश के मामले में भले ही कानपुर आगे हो लेकिन इकाइयों की संख्या में अलीगढ़ नंबर वन पर है। दूसरे नंबर पर सबसे ज्यादा इकाइयां झांसी, तीसरे पर लखनऊ और चौथे पर कानपुर है। प्रदेश में डिफेंस इंडस्ट्री को ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहन देने के लिए जल्द उत्तर प्रदेश एयरोस्पेस एंड डिफेंस मैन्यूफैक्चरिंग की संशोधित नीति लाई जा रही है, जिसे कैबिनेट मंजूरी के बाद लागू कर दिया जाएगा।

निवेश के मामले में कानपुर आगे तो इकाइयों की संख्या में अलीगढ़ नंबर वन

डिफेंस सेक्टर में परीक्षण और अनुसंधान अहम

डिफेंस सेक्टर में परीक्षण और अनुसंधान की अहम भूमिका है। इसे देखते हुए डिफेंस टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर स्कीम को लागू कर दिया गया है। इसमें 400 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसके अंतर्गत निजी सेक्टर के साथ अत्याधुनिक परीक्षण व अनुसंधान केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इस योजना में रक्षा मंत्रालय ने 117 करोड़ रुपये की सब्सिडी को भी मंजूरी दे दी है। इस राशि से कानपुर में मानवरहित यान व ड्रोन और लखनऊ में धातुओं की टेस्टिंग का अत्याधुनिक केंद्र बनाया जाएगा। इसके लिए डिफेंस टेस्टिंग फाउंडेशन की स्थापना की गई है, जिसमें मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानी), हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) यंत्र इंडिया लिमिटेड और पीटीसी इंडस्ट्रीज लिमिटेड के साथ सहभागिता की गई है।

औद्योगिक नीति, इंफ्रास्ट्रक्चर व सकारात्मक माहौल ने निवेशकों को आकर्षित किया

डिफेंस कॉरिडोर की नोडल संस्था यूपीडा (उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण) के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीहरि प्रताप शाही के मुताबिक सरकार की मंशा के मुताबिक प्रदेश के सभी डिफेंस कॉरिडोर में बड़े समूहों के निवेश से साफ है कि यहां की औद्योगिक नीति, इंफ्रास्ट्रक्चर और सकारात्मक माहौल ने निवेशकों को आकर्षित किया है। अभी तमाम कंपनियां लाइन में हैं। कई नोड में जमीन का अधिग्रहण दोबारा किया जा रहा है। अब हमारा लक्ष्य यूपी को देश का सबसे बड़ा डिफेंस हब बनाना है।

डिफेंस कॉरिडोर में अभी तक इतना निवेश

कॉरिडोर	निवेश	इकाइयां	जमीन
झांसी	7854.84 करोड़	11	415.59
चित्रकूट	-	-	-
कानपुर	10233.58 करोड़	5	210.60
अलीगढ़	3386.40 करोड़	24	64.001
लखनऊ	3008.99 करोड़	8	110.15
आगरा	709.00 करोड़	-	-
कुल	25192.81 करोड़	48	800 हेक्टेयर